Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MSV-CT-201

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2024

एम. ए. व्याकरण, द्वितीयसत्रम्

संस्कृतव्याकरणम् (5)

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. ऊकालोऽज्झ्रस्वदीर्घप्लुतः, अस्य योगस्य भाष्यं पिघीयताम्।
2. "स्वरितात्संहितायामनुदात्तानाम्" अस्य भाष्यं सुस्पष्टीकरणीयम्।
3. "गोस्त्रियोरुपसर्जनस्य, अस्य भाष्यमुल्लेखनीयम्।
4. लुपियुक्तवद् व्यक्तिवचने, इदं सूत्रं भाष्यमनुसृत्य व्याख्येयम्।
5. जात्याख्यायामेकस्मिन् बहुवचनमन्यतरस्याम्, अस्य भाष्यं विवृणु।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. अपिदिति किं पर्युदासो अथवा प्रसज्यः प्रतिषेधः?
7. एकश्रुति दूरात्सम्बुद्धौ, पारिभाषिक्याः सम्बुद्धेर्ग्रहणम्?
8. इत्वं कस्य तकारेत्वम्?
9. लिङसिचावात्मनेपदेषु अस्य भाष्यं विधानीयम्।
10. निपातस्यानर्थकस्य प्रातिपदिकत्वम्।।
11. नपुंसकमनपुंसकेनैकवच्चास्यान्यतरस्याम्।।
12. ग्राम्यपशुसङ्घष्वतरुणेष्वस्त्री अस्य व्याख्या क्रियताम्?

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MSV-CT-202

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2024

एम. ए. व्याकरण, द्वितीयसत्रम्

संस्कृतव्याकरणम् (6)

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. उपदेशेऽजनुनासिक इत्, भाष्यानुसारेण व्याख्या कार्या।
2. "कारके" अस्य सूत्रस्य भाष्यं सुस्पष्टीक्रियताम्।
3. कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्, अयं योग उल्लेखनीयः।
4. अकथितं च अस्य भाष्यं संक्षेपेण वर्णनीयम्।
5. ध्रुवमपायेऽपादानम्, अयं न्यासो भाष्यमनुसृत्य प्रतिपादनीयम्।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. वारणार्थानामीप्सितः, सूत्रमिदं व्याख्येयम्।
7. के पुनर्द्विकर्मका धातवः?
8. "कर्तुरीप्सिततमं कर्म" तमब्ग्रहणं किमर्थम्?
9. "स्वतन्त्रः कर्त्ता" अस्य व्याख्या कार्या।
10. प्रादय इति योगविभागः।
11. के पुनः कर्मप्रवचनीयाः?
12. ते प्राग्धातोः, किं संज्ञानियमः, आहोस्वित्प्रयोगनियमः?

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MSV-CT-203

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2024

एम. ए. व्याकरण, द्वितीयसत्रम्

संस्कृतव्याकरणम् (7)

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. 'अर्धतृतीया' इत्यत्र कः समासः? यथाभाष्यं व्याख्या विधेया।
2. 'नञ्' इति किं प्रधानेऽयं समासः? भाष्यमनुसृत्य स्वशब्दैः निर्णयो विधेयः।
3. 'तद्धितार्थोत्तर.' इत्यत्र समाहारशब्दस्य आक्षेपसमाधानपूर्विकोत्पतिः करणीया।
4. 'प्राक्कडा.' इत्यत्र प्राग्ग्रहणस्य प्रयोजनं यथाभाष्यं लेखनीयम्।
5. 'समर्थः.' इत्यस्य सूत्रस्य स्वशब्दैः सारांशो लेखनीयः।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. अधिकारपरिभाषयोः को भेदः?
7. 'उपसर्जनं पूर्वम्' किमर्थमिदमुच्यते?
8. 'उपपदगतिङ्.' इत्यत्रातिङ् ग्रहणं किमर्थम्? भाष्यानुसारी व्याख्या करणीया।
9. परार्थभिधानं वृत्तिः, जहत्स्वार्थावृत्तिः, अजहत्स्वार्थावृत्तिरिति एतासां मध्ये को भेदः?
10. अव्ययीभावः इति महासंज्ञायाः प्रयोजनानि लिखन्तु।
11. 'सहसुपा' इत्यत्र सहवचनं किमर्थम्?
12. भाष्यानुसारेण समर्थशब्दस्य व्युत्पत्तिः प्रतिपादनीया।

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MSV-CT-204

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2024

एम. ए. व्याकरण, द्वितीयसत्रम्

संस्कृतव्याकरणम् (8)

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. अनभिहित इत्युच्यते किमिदमनभिहितंनाम।
2. 'अनभिहित' इत्यत्र परिसंख्यानं विधेयमुत न? व्याख्या भाष्यरीत्या करणीया।
3. यस्मादधिकं यस्यचेश्वरवचनं तत्र सप्तमी इत्यस्य सूत्रस्य भाष्यानुसारं व्याख्या करणीया।
4. 'प्रातिपदिकार्थलिङ्ग, सूत्रस्य स्वशब्दैः व्याख्या विधेया।
5. द्विगुरेकवचनम् इति सूत्रं किमर्थमुच्यति? व्याख्येयम्।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. चतुर्थीविधाने तादर्थ्य उपसंख्यानम् इत्यस्य वार्तिकस्य व्याख्या विधेया।
7. अपादने पञ्चमी इति सूत्रस्य वार्तिकानि व्याख्येयानि।
8. 'पृथग्विनानानाभिस्.' इत्यस्य सूत्रस्य वार्तिकानि व्याख्येयानि।
9. सप्तम्यधिकरणे च न्यूनतापूरणाधिकरणम् उल्लेखनीयम्।
10. कृत्यानां कर्तीर वा इत्यत्राक्षेपसमाधानपूर्वकं योगविभागाधिकरणं प्रतिपादनीयम्।
11. 'अन्तरङ्गानपि विधीन् बहिरङ्गो ल्यप् बाधते' अत्र सूत्रानुसारितया भाष्यस्वारस्यमुल्लेखनीयम्।।
12. घञपोः प्रतिषेधे क्यप् उपसंख्यानम् इति वार्तिकम् व्याख्येयम्।

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MSV-SEC1-206

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2024

एम. ए. व्याकरण, द्वितीयसत्रम्

योगचिकित्सा-2

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. सूर्य चिकित्सा एवं जल चिकित्सा की विभिन्न विधियों का रोगानुसार विस्तृत निरूपण करें।
2. किन्हीं षट् बाह्य बस्ती कर्म का प्रयोग व लाभ स्पष्ट करें।
3. अभ्यंग, शिरोपिच्चु, शिरोधारा व परिषेक चिकित्सा की विधि-लाभ समझाइये।
4. पञ्चकर्म चिकित्सा की प्रत्येक विधि का कायशोधन निरूपण करें।
5. वाइब्रो मसाज, पार्शियल मसाज व जकूजी चिकित्सा का रोगानुसार प्रयोग स्पष्ट करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. मिट्टी चिकित्सा की किन्हीं तीन विधियों का व्याधिगत प्रयोग समझाइये।
7. वातमोक्षण व अग्निकर्म की विधि व लाभ कौन-कौन से हैं?
8. श्रृंगी चिकित्सा व क्षीरभाप, कर्णधूपन से कौन से रोग ठीक किए जाते हैं? विधि सहित वर्णन करें।
9. षट्कर्म चिकित्सा की किन्हीं तीन विधियों का प्रयोग समझाइये।
10. नस्य, परिषेक व गण्डूष चिकित्सा का रोगानुसार लाभ प्रस्तुत करें।
11. कलर थैरेपी व उद्वर्तन मसाज क्या होती है?
12. किन्हीं दो परम्परागत चिकित्सा विधियों का वर्णन करें। इस प्रश्नपत्र से इतर।

----------X----------